[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 8064 **G** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 62051314

Name of the Paper : आधुनिक भारतीय भाषा-हिंदी-C (MIL)

Name of the Course : **B.A. (PROG.) Hindi C**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं दो गद्यांशों की व्याख्या कीजिए: (10x2)

(क) मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँखों से छल-छल आँसू बहने लगे। वह दुप्पट्टे से बार-बार उन्हें पोंछती, पर वह बार-बार उमड़ आते, जैसे बरसों का बाँध तोड़ कर उमड़ आए हों। माँ ने बहुतेरा दिल को समझाया, हाथ जोड़े, भगवान का नाम लिया, बेटे के चिरायु होने की प्रार्थना की, बार-बार आँखें बंद कीं, मगर आँसू बरसात के पानी की तरह जैसे थमने में ही नहीं आते थे। आधी रात का वक्त होगा। मेहमान खाना खा कर एक-एक कर जा चुके थे। माँ दीवार से सट कर बैठी आँखे फाड़े दीवार को देखे जा रही थीं। घर के वातावरण में तनाव ढीला पड़ चुका था।

(ख) जीभ को दबाने और चौकसी रखने से यह प्रयोजन नहीं है कि हम सर्वथा मूक भाव धारण कर लें, किंतु चुप रहने के भी मौके हैं। विद्यावृद्ध, वयोवृद्ध या संसार की अनेक ऊँची-नीची बातों में जो अपने से अधिक हैं, उनके सामने शालीनता के ख्याल से चुप रहना होता है, जिसमें यह कोई न समझे कि यह छोटे-मुँह बड़ी बात कह रहा है। बहुत बकने वालों में कितने ऐसे हें जो घंटों तक बक जाते हैं, पर उनके बात करने का खास मतलब क्या था, कुछ समझ में नहीं आता।

(ग) हम भी यदि देहातियों का उपकार करना चाहते हैं तो हमें भी देहाती ही बनना पड़ेगा, चिकनी सड़क और मोटर का मोह छोड़ना पड़ेगा। चाय बिस्कुट और अंडे उड़ाने वाले वहाँ फिसड्डी रहेंगे। घी-दूध तो वे लोग चरणों पर ढाल देंगे, मगर उसी को तो सत्तू और चना-चबैना को भी उन लोगों का प्रिय भोजन मान कर पुलाव समझेगा। इंद्रिय की वासना की गंध भी इन्हें मिल गई तो पटरी नहीं बैठ सकती। सच्चरित्र को तो सर आँखों पर रखेंगे, हथेली का फूल बना डालेंगे।

P.T.O.

(घ) काल की वस्तुगत सत्ता नहीं है। वह केवल बोझ या मनोविकार है। काल घटनाओं से छलकता है। वह घटनाओं को मापने का बोध-माध्यम मात्र है। अत: महत्वपूर्ण यह नहीं है कि कोई घटना कब घटी, किसी व्यक्ति की उम्र क्या है? वह बुढ्ढा है या किशोर? महत्वपूर्ण उसका दृष्टिकोण होता है। नयापन आधुनिकता का पर्याय नहीं है। नया पुरातनपंथी भी हो सकता है। प्राचीन साहित्य को आधुनिक दृष्टि से देखा जा सकता है और आधुनिक को पुराणपंथी दृष्टि से, द्विवेदी जी प्राचीन की व्याख्या करते थे। ऐसी व्याख्या जिसे आधुनिक अपने लिए ग्राह्य और संदर्भवान पाते थे।

2. (क) हिंदी गद्य की विकास-यात्रा का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (12)

अथवा

हिंदी नाटक के स्वरूप और विकास पर संक्षिप्त निबंध लिखिए।

(ख) 'ईदगाह' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए। (12)

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी के आधार पर शामनाथ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) 'ज़बान' निबंध के आधार पर ज़बान के महत्व पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

हमारे देश में गाँवों की उपेक्षा के कारणों पर विचार कीजिए।

(घ) 'गिल्लू' संस्मरण का प्रतिपाद्य लिखिए। (12)

अथवा

'गंगा स्नान करने चलोगे' संस्मरण का सार अपने शब्दों में लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए: (7)

(क) स्वातंत्र्योत्तर संस्मरण साहित्य

(ख) शुक्ल युगीन निबंध

(ग) प्रेमचंद युगीन कहानी।